

भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 4028
दिनांक 24 मार्च, 2023 को उत्तर के लिए

महिलाओं और बच्चों में कुपोषण संबंधी अध्ययन

4028. श्री कृपाल बालाजी तुमाने:

श्रीमती भावना गवली (पाटील):

क्या महिला और बाल विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार ने देशभर में महिलाओं और बच्चों में कुपोषण के स्तर का पता लगाने के लिए कोई अध्ययन या सर्वेक्षण कराया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा और परिणाम क्या हैं;
- (ख) देश में कुल कितने कुपोषित बच्चे हैं और उनमें से कितने बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित की श्रेणी में आते हैं;
- (ग) राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार कितने बच्चे कुपोषित हैं और उनका प्रतिशत कितना है;
- (घ) देश के किन-किन जिलों और राज्यों में उक्त बच्चों की संख्या अधिकतम/न्यूनतम है; और
- (ङ.) सरकार द्वारा देश भर में बच्चों में कुपोषण की समस्या से निपटने के लिए अब तक क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

श्रीमती स्मृति जूबिन इरानी

महिला एवं बाल विकास मंत्री

(क से ग) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा समय-समय पर किए जाने वाले राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के तहत पोषण संबंधी संकेतकों पर डेटा एकत्र किया जाता है। पिछला दौर, एनएफएचएस-5, 2019-21 के दौरान आयोजित किया गया था। एनएफएचएस-5 के अनुसार, 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में ठिगनेपन, दुबलेपन और अल्प वजन का प्रसार 35.5%, 19.3% और 32.1% है और महिलाओं में अल्प वजन का प्रसार 18.7% है। इसके अलावा, 5 वर्ष से कम आयु के 7.7% बच्चे गंभीर रूप से कमजोर हैं। बच्चों में कुपोषण का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार प्रसार अनुलग्नक में दिया गया है।

(घ) देश में उन जिलों और राज्यों के नाम जहां 5 वर्ष से कम आयु के ठिगने/दुबले/अल्प वजन वाले बच्चों की अधिकतम/न्यूनतम संख्या है:

	5 वर्ष से कम आयु के बच्चे जो ठिगने हैं (आयु के अनुसार कद) (%)		5 वर्ष से कम आयु के बच्चे जो दुबले हैं (आयु के अनुसार वजन) (%)		5 वर्ष से कम आयु के बच्चे जो अल्प वजन के हैं (आयु के अनुसार वजन) (%)	
	अधिकतम	न्यूनतम	अधिकतम	न्यूनतम	अधिकतम	न्यूनतम
राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	मेघालय (46.5%)	पुदुच्चेरी (20.0%)	महाराष्ट्र (25.6%)	चंडीगढ़ (8.4%)	बिहार (41.0%)	मिजोरम (12.7%)
जिले	पश्चिमी सिंहभूम	जगतसिंहपुर (ओडिशा)	करीमगंज (असम)	उत्तर जिला (सिक्किम)	पश्चिमी सिंहभूम	दक्षिण जिला (सिक्किम)

	(झारखंड) (60.6%)	(13.2%)	(48.0%)	(4.5%)	(झारखंड) (62.4%)	(7.2 %)
--	---------------------	---------	----------	--------	---------------------	---------

(ड) सरकार ने कुपोषण के मुद्दे को उच्च प्राथमिकता दी है और पोषण अभियान, आंगनवाड़ी सेवाएं, किशोरी स्कीम और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) जैसी कई स्कीमों को प्रत्यक्ष लक्षित पहल के रूप में कार्यान्वित कर रही है ताकि देश में कुपोषण की समस्या का समाधान किया जा सके। पोषण अभियान 8 मार्च 2018 को शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य सहक्रियाशील और परिणामोन्मुख दृष्टिकोण अपनाकर किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं की पोषण स्थिति में समयबद्ध तरीके से सुधार करना है। अभियान को 36 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में शुरू किया गया है।

इसके अलावा, आंगनवाड़ी सेवाओं और पोषण अभियान के तहत पूरक पोषण कार्यक्रम के प्रयासों का कार्याकल्प किया गया है और उन्हें 'सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0' (मिशन पोषण 2.0) के रूप में परिवर्तित किया गया है। इसका उद्देश्य बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं में पोषण सामग्री और वितरण में रणनीतिक बदलाव और स्वास्थ्य, कल्याण और प्रतिरक्षा का पोषण करने वाली प्रथाओं को विकसित करने और बढ़ावा देने के लिए एक अभिसरण पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के माध्यम से कुपोषण की चुनौतियों का समाधान करना है।

पोषण 2.0 आयुष के माध्यम से मातृ पोषण, शिशु और छोटे बच्चों के आहार के मानदंड, एमएएम/एसएएम के उपचार और स्वास्थ्य पर केंद्रित है। यह अभिसरण, शासन और क्षमता निर्माण के स्तंभों पर टिका है। पोषण अभियान आउटरीच का प्रमुख स्तंभ है और इसमें पोषण संबंधी सहायता, आईसीटी हस्तक्षेप, मीडिया पैरवी और अनुसंधान, कम्युनिटी आउटरीच और जन आंदोलन से संबंधित नवाचार शामिल होंगे। सेवाओं के त्वरित पर्यवेक्षण और प्रबंधन के लिए पूरक पोषण के प्रावधान की रीयल टाइम निगरानी के संबंध में प्रशासन में सुधार के लिए एक मजबूत आईसीटी सक्षम मंच, 'पोषण ट्रैकर' के तहत पोषण की गुणवत्ता और मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में परीक्षण में सुधार लाने, वितरण को मजबूत करने और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए कदम उठाए गए हैं।

मिशन पोषण 2.0 के तहत, आहार विविधता, भोजन की पौष्टिकता और बाजरा के उपयोग को लोकप्रिय बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। पोषण 2.0 के तहत पोषण जागरूकता रणनीतियों का उद्देश्य आहार संबंधी अंतराल को पाटने के लिए संपूर्ण स्थानीय खाद्य पदार्थों के माध्यम से स्थायी स्वास्थ्य और कल्याण का विकास करना है। इसके अलावा, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों पर गर्म पका हुआ भोजन और टेक होम राशन (कच्चा राशन नहीं) तैयार करने के लिए बाजरा के उपयोग पर अधिक जोर दिया जा रहा है, क्योंकि बाजरे में उच्च पोषक तत्व होते हैं। जिसमें प्रोटीन, आवश्यक फैटी एसिड, आहार फाइबर, बी-विटामिन, मिनरल्स जैसे कैल्शियम, लोहा, जस्ता, फोलिक एसिड और अन्य सूक्ष्म पोषक तत्व शामिल हैं, इससे महिलाओं और बच्चों में एनीमिया और अन्य सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी से निपटने में मदद मिलती है।

एनएफएचएस-5 के अनुसार 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में अल्प वजन, ठिगनेपन, दुबलेपन और गंभीर दुबलेपन का प्रसार				
क्र. सं.	राज्य	ठिगनापन	अल्प वजन	दुबलापन
1.	अंडमान और निकोबार	22.5	23.7	16
2.	आंध्र प्रदेश	31.2	29.6	16.1
3.	अरुणाचल प्रदेश	28	15.4	13.1
4.	असम	35.3	32.8	21.7
5.	बिहार	42.9	41	22.9
6.	चंडीगढ़	25.3	20.6	8.4
7.	छत्तीसगढ़	34.6	31.3	18.9
8.	दादरा नगर हवेली और दमन और दीव	39.4	38.7	21.6
9.	दिल्ली	30.9	21.8	11.2
10.	गोवा	25.8	24	19.1
11.	गुजरात	39	39.7	25.1
12.	हरियाणा	27.5	21.5	11.5
13.	हिमाचल प्रदेश	30.8	25.5	17.4
14.	जम्मू और कश्मीर	26.9	21	19
15.	झारखंड	39.6	39.4	22.4
16.	कर्नाटक	35.4	32.9	19.5
17.	केरल	23.4	19.7	15.8
18.	लक्षद्वीप	32.0	25.8	17.4
19.	लद्दाख	30.5	20.4	17.5
20.	मध्य प्रदेश	35.7	33.0	19.0
21.	महाराष्ट्र	35.2	36.1	25.6
22.	मणिपुर	23.4	13.3	9.9
23.	मेघालय	46.5	26.6	12.1
24.	मिजोरम	28.9	12.7	9.8
25.	नागालैंड	32.7	26.9	19.1
26.	ओडिशा	31.0	29.7	18.1
28.	पुदुच्चेरी	20.0	15.3	12.4
29.	पंजाब	24.5	16.9	10.6
30.	राजस्थान	31.8	27.6	16.8
30.	सिक्किम	22.3	13.1	13.7
31.	तमिलनाडु	25.0	22.0	14.6
32.	तेलंगाना	33.1	31.8	21.7
33.	त्रिपुरा	32.3	25.6	18.2

34.	उत्तर प्रदेश	39.7	32.1	17.3
35.	उत्तराखंड	27.0	21.0	13.2
36.	पश्चिम बंगाल	33.8	32.2	20.3
	कुल भारत	35.5	32.1	19.3